महामहिम राज्यपाल श्री राम नरेश यादव का सैनिक स्कूल रीवा की स्थापना के 50 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर आयोजित समारोह में उद्बोधन

स्थान :- रीवा, दिनांक :- एक मई, 2013 समय :- प्रात: 10 बजे

मध्यप्रदेश के एक मात्र सैनिक स्कूल के बच्चों के बीच उपस्थित होकर मुझे बहुत प्रसन्नता हो रही है। आपके विद्यालय की स्थापना के 50 गौरवशाली वर्ष पूर्ण होने पर मैं आप सबको बधाई और शुभकामनाएं देता हूं। इस विद्यालय ने अनगिनत अधिकारी और जाबांज सैनिक रक्षा सेनाओं को उपलब्ध कराये हैं, यह हमारे प्रदेश के लिए गौरव और सम्मान की बात है। मुझे यह जानकर अत्यंत प्रसन्नता हुई है कि यहां से शिक्षा प्राप्त कर निकले सैनिक निजी क्षेत्र, राजनीति, चिकित्सा, अभियांत्रिकी, समाजसेवा आदि के क्षेत्र में भी कीर्तिमान स्थापित कर चुके हैं।

यह हमारे प्रदेश के लिए गौरव की बात है कि आज जम्मू-कश्मीर स्थित उत्तरी कमान और अण्डमान निकोबार कमान के कमाण्डर इसी विद्यालय के छात्र हैं। ऐसी कई नामचीन और प्रसिद्ध हस्तियाँ हैं जिन्होंने अपनी प्रारम्भिक शिक्षा इस विद्यालय से प्राप्त की और आज देश की समृद्धि और विकास में अपना योगदान दे रहे हैं। यहां के छात्र राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, नेवल अकादमी और भारतीय मिलिटरी अकादमी में प्रवेश पाते हैं।

सैनिक स्कूल की गतिविधियों में भाग लेने से सेना तथा सैन्य प्रशिक्षण का ज्ञान होता है। सेना के जवान और अधिकारी सराहना के पात्र हैं, जिन्होंने कड़ी मेहनत और परिश्रम कर सैनिकों को प्रशिक्षण दिया तथा उनके आगे बढ़ने का मार्ग प्रशस्त किया।

अनुशासन में रहकर देश भक्ति की भावना से देश की सीमाओं की रक्षा करना आप सैनिकों का मुख्य उद्देश्य है। हम सभी जानते हैं कि सैनिकों द्वारा देश की रक्षा के साथ-साथ सामाजिक सुधार की गतिविधियाँ भी संचालित की जाती हैं। देश में भूकम्प और आपदा जैसी परिस्थितियां निर्मित होने पर यह सैनिक आंतरिक सुरक्षा और जनता की सेवा के लिए हमेशा तत्पर रहते हैं । हमारे सैनिक विश्व शांति सेना में भी महत्वपूर्ण भागीदारी निभा रहे है।

तकनीक और प्रौद्योगिकी के वर्तमान दौर में हमारे सैनाओं को कठिन और जोखिम भरी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। पड़ोसी देश आधुनिक और परमाणु हथियारों का दिन

प्रतिदिन परिक्षण कर अपनी क्षमता बढ़ाने का प्रयास कर रहे हैं। इसलिये हमारे सैनाओं को भी नई तकनीक पर आधारित सामरिक साजो सामान और सैनिकों को और बेहतर प्रशिक्षण देने की आवश्यकता है।

हाल ही में समाचार पत्रों में दुनिया के दस सबसे शक्तिशाली देशों के बारे में रिपोर्ट प्रकाशित हुए है उसमें हमारे देश का नम्बर आठवां बताया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि सामरिक क्षमता के मामले में भारत विश्व में सातवें स्थान पर है। मुझे आशा है कि इस सैनिक स्कूल से निकले छात्रों के कौशल और सतर्कता से हमारी सेना विश्व की सबसे शक्तिशाली सैनाओं में अपना स्थान स्थापित करने के सफलता प्राप्त कर सकेगी।

हमारा देश विश्व का सबसे बड़ा धर्मनिरपेक्ष देश है। महात्मा गांधी ने इसे सत्य, अहिंसा और सत्याग्रह के बल पर आजाद कराया था। आज हम महात्मा गांधी और अपने महापुरूषों के बताये उदारवादी और अहिंसा के मार्ग पर चल रहे हैं। लेकिन कुछ पड़ोसी देश तथा आंतरिक शक्तियां देश में अराजकता और आतंकवाद का माहौल उत्पन्न करना चाहती है। लेकिन हमारे सैनिकों और जाबांज सिपाहियों के प्रयासों से यह विफल हो रहे हैं। हमारे देश के कई बड़े और छोटे पड़ोसी देश हमारी उदारवादी और अहिंसक नीति का गलत फायदा उठा कर देश में घुसपैठ करते रहते हैं। इसके लिए आप जैसे नौजवान सैनिकों को सचेत रहते हुए देश की अखण्डता को कायम रखना है।

मैं यहां देश के नागरिकों से भी कहना चाहता हूं कि वे देश में शांति और एकता का वातावरण बनाये रखें ताकि हमारे सैनिक निॉश्चत होकर देश की रक्षा कर सकें।

मुझे पता है कि इस विद्यालय के समुचित विकास के लिए प्रचुर धन की आवश्यकता है। विद्यालय में विकास की विभिन्न परियोजनाएं अपनी पूर्णता की ओर अग्रसर हैं। मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि विद्यालय को मध्यप्रदेश शासन की ओर से जो भी सहायता की आवश्यकता होगी वह प्रदान की जाएगी।

मैं विद्यालय की स्थापना के 50 वर्ष पूर्ण होने और देश के सर्वोत्तम विद्यालय के रूप में उभर कर सामने आने पर छात्राओं, शिक्षकों और पदाधिकारियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देता हूं।

जय हिन्द।